بسم الله الرحمن الرحيم

हज़रत मुहीउद्दीन अल ख़लीफ़तुल्लाह मुनीर अहमद अज़ीम (अ स)

01 November 2019 03 Rabi'ul Awwal 1441 AH

अनुवादक : फातिमा जास्मिन सलीम

EMAIL:fjasmine14@gmail.com

जुम्मा खुतुबा

विषय:-

राजनीति में मुसलमान (भाग-2)"

अपने सभी चेलों सहित सभी नए चेलों, (और दुनिया भर के सभी मुसलमानों) को शांति का अभिवादन करने के बाद हज़रत ख़लीफ़तुल्लाह (अ त ब अ) तशहुद ,तौज, सूरह अल फातिहा पढ़ने के बाद और फिर उन्होंने अपना उपदेश दिया।

राजनीति में मुसलमान (भाग 2)

श्री प्रधान मंत्री ने कहा हैं की द्वीप के चार कोनों में विकास हो रहा है। श्री प्रधान मंत्री जी ये शब्द सच नहीं हैं । इसके बजाय यह कहें कि कुछ विशिष्ट स्थानों में ही नित्य विकास हुआ है। हम एक स्पष्ट उदाहरण उद्धृत करते है और इस सब का मॉरीशस गवाह है। यह प्रधान मंत्री का निर्वाचन क्षेत्र है। सभी मंत्रालय उसे खुश करने के लिए संगठित होते हैं।

प्रधान मंत्री खुद को अगले चुनाव के लिए तैयार कर रहे हैं [वह मूल तैयार कर रहे है]। लेकिन अगर उन्होंने केवल अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के लिए इसी तरह के विकास किए थे, जैसे उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए किया ! लेकिन दुर्भाग्य से इस शासन-कल का शासनादेश का अंत आ रहा है और मुस्लिम समुदाय को भुला दिया गया है।

सबूत का एक टुकड़ा ले आओ, यह दिखाने के लिए कि विकास में क्या हुआ है, जहाँ मुस्लिम समुदाय सहित कई जगहों में अल्पसंख्यक वर्ग रहते हैं। हमने मेट्रो एक्सप्रेस को हमारे दरवाजे पर [हमारे स्थान पर] लाने के लिए नहीं कहा, जैसा तुमने सैंट-पियरे के लोगों से वादा किया था, लेकिन कम से कम हमारे युवाओं को स्वस्थ अवकाश दें, ताकि वे औषधि (drugs) के दोज़क में और अन्य विपत्तियों में न पड़ें। लेकिन फिर से अल्पसंख्यक वर्ग शायद अँधा हो गया है की उसने फिर से उन पार्टियों को मत दे दिया, जिसने उनके जगहों के विकास का बहिष्कार किया। आखिर कौन मंत्री परिषद में अपनी आवाज बुलंद करेगा, जहाँ मुस्लिम समुदाय को कम प्रतिनिधित्व दिया गया है और जहाँ उसके पक्ष में आवाज उठाने वाला कोई भी नहीं है? हमारा सबर, इंशा-अल्लाह, फल देगा।

मुस्लिम समुदाय कृतघ्न नहीं है लेकिन अपने मस्तक को ऊँचा रखता है।

पूर्व उप प्रधान मंत्री, और अब एक साधारण उप, सुधुन ने मुस्लिम समुदाय पर श्री अनीरूद जुगनॉथ के प्रति कृतघ्न होने का आरोप लगाया (जो 2014 से 2017 तक प्रधान मंत्री था और जहाँ बाद में, वहाँ पिता-पुत्र का सौदा हुआ, और फिर उसका बेटा लोगों के मतों के बिना प्रधानमंत्री बन गया)। सुधुन के अनुसार - जैसा कि आप जानते हैं, सुधुन श्री अनीरूद जुगनॉथ की छाया है - वहाँ गोमांस की कीमत में कमी होगी, साथ ही साथ हज्ज और उमराह के हवाई टिकट की कीमत में भी। ये ऐसे उपाय हैं जो मुसलमानों के लिए अनुकूल होना चाहिए था। लेकिन सुधुन जल्दी से भूल जाता है, लेकिन हमें उसे उस पीड़ा के बारे

में याद दिलाना होगा कि इसी तरह अनीरूद जुगनॉथ ने मुस्लिम समुदाय को पीड़ा पहुँचाया था। इसे रात भर में कैसे भुलाया जा सकता है? एक समय था, जब मुसलमानों का बहिष्कार और निन्दित किया गया। एक शासनकाल में एक मुस्लमान को असैनिक पदाधिकारी के काम की मांग करने पर अपना सही पता और राजनीतिक जुड़ाव छिपाना पड़ता था। अगर वह मुख्य रूप से मुस्लिम निर्वाचन क्षेत्र में रहता था और एक अन्य राजनीतिक दल का समर्थन किया।

इस शासनकाल में निजी क्षेत्रकों ने विशेष रूप से रोजगार के क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय को बहिष्कार करने के लिए कहा था। इस शासनकाल में मुस्लिम समुदाय के ग्रजुएटों को छोटे गलियों के विक्रेता बनकर अपने ज़रूरतों को ख़त्म करना पड़ता था। वहाँ मुस्लिम समुदाय के खिलाफ सिर्फ इसलिए बदला लेने की नीति थी क्योंकि उसने उस [और उसकी सरकार को] को मत नहीं दिया। यह बदला लेने की वही नीति है जो की आज इसके राजनीतिक विरोधियों पर लागू हो रहा है। वहाँ एक प्रबंध था की **("plucking all weeds" and "cutting fingers")** [अर्थात, इसके अनुसार, मुसलमानों को खत्म करना है]।

वहाँ हवाई अड्डे पर हमारे हाजियों का अपमानजनक प्रकरण हुआ था। इतने वर्षों बाद, जब वह सत्ता में लौटा, तो मुस्लिम समुदाय के प्रति उनकी मनोवृति बिल्कुल नहीं बदली।

यदि आप रावत मामले का विश्लेषण करते हैं, तो यह एक जबरदस्त मामला है। जब सुधुन में, अगर वह व्यक्तिगत रूप से और साथ ही साथ उसके परिवेश को राज्य से लाभ हो रहा है, यह उम्मत नहीं है जो लाभान्वित हो रही है किन्तु कुछ ही लोग है जो लाभान्वित हो रहे है। जिन्होंने मॉरीशस में छोटा कारोबार [गली के विक्रेता का व्यापर] शुरू किया? मुसलमान चोर या भिखारी नहीं हैं! एक मुसलमान जीने के लिए सड़कों पर काम करना पसंद करते हैं, पथ पर, बारिश, सूरज के अधीन भी, और वह लाठियों के वार को जो प्राप्त करते है उसे स्वीकार कर लेते है लेकिन कभी चोरी नहीं करते [बल्कि चोरी से बेहतर मर जाते है, बल्कि चोरी से बेहतर काम करते है]। सुधुन किस कृतज्ञता की बात कर रहा है? एक मुसलमान को बदनाम होते देखने में दुःख होता है और उसके समुदाय को अपमानित करते है। अगर उसने व्यक्तिगत रूप से अनीरूद जुगनॉथ के सामने झुकने के लिए सहमति दी हैं, अल्लाह के कानून के खिलाफ मत देने के लिए, अपने नेता को खुश करने के लिए इतनी दूर जा रहे हैं, लेकिन फिर उसे मुस्लिम समुदाय से अपने बुरे उदाहरण का अनुसरण करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए! जैसे हमारे लिए, हम किसी प्राणी के सामने नहीं, हमारे निर्माता के सामने झुकते हैं ।

उमराह के लिए टिकट की कीमत में गिरावट के विषय में ,यह गलत है। मुझे अपने खुद के उमराह के लिए टिकट की कीमत चुकानी पड़ी, जो उसने घोषणा किया था, उससे कई अधिक महंगा है, कि इस सरकार ने उमराह के लिए टिकट की कीमत के संबंध में इस या उस पक्ष के मामले में किया। वह बेचैन है की कब इस सरकार की चापलूसी करने के लिए मिलेगा [यानी उनकी पार्टी]। वह उसकी चापलूसी करने के लिए सब कुछ करता है। जब इस गोमांस की बात आती है, तो यह सिर्फ मुसलमान नहीं है जो इसका उपभोग करते हैं, लेकिन यह सभी मॉरीशस के लोगों के लिए एक मात्रा है। सामाजिक स्तर पर, औषधि (drugs) ने उन स्थानों पर एक भयानक राहदारी पकड़ लिया है, जहाँ अल्पसंख्यक वर्ग के लोग

तथा मुसलमान, पाए जाते हैं। संश्लेषिक(Synthetic) औषधि (drugs) युवाओं के बीच में क्रोध की तबाही मचा रहे हैं, और हमारे युवा [मॉरिशसनिवासी और विशेष रूप से हमारे युवा मुसलमानों को] को खत्म कर रहे हैं। गली के विक्रेताओं को अभी भी रौंदा जा रहा है। कितने मुसलमानों को सत्ता के इन पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रशासन सेवा में लिया गया है?

सुधुन के बारे में आप क्या कृतज्ञता व्यक्त करते हैं? आपने एक झोंके के रूप में अनीरूद जुगनॉथ के प्रस्थान को लिया , हालाँकि पार्टी [MSM] के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने अनीरूद जुगनॉथ के साथ 35 साल की आपकी तामील के लिए आपको धन्यवाद भी नहीं किया। आज उसके बेटे प्रवींद ने उसकी जगह ले ली और उसने आपको अगले आम चुनाव के लिए एक भी टिकट नहीं दिया [निर्वाचन संबंधी / अनुसचिवीय संविभाग]। तो, सुनिये आप क्या कह रहे है; यह दुखद है कि आपके साथ क्या हो रहा है, आपने निर्माता की तुलना में प्राणी को अधिक महत्व दिया है।

मैं उन मुसलमानों को कहता हूँ जिन्होंने इस पदावरोहि सरकार [राजनीतिक दल] के साथ खुद को समृद्ध करने के लिए अपनी [राजनीतिक] पार्टी को छोड़ दिया है, वे केवल चुनाव में मुसलमानों के मतों को जीतने के लिए आपका उपयोग कर रहा है। क्या आपने 2014 के चुनाव के बाद इससे सबक नहीं सीखा था, जहाँ राष्ट्र-पति साहिबा और मुस्लिम मंत्री और मुस्लिम सांसद अपमानित हुए थे? वही भाग्य आप पर भी बीतेगा, अब जबकि उसके बेटे ने शासन -राज्य को ले लिए है (पिता के बाद बेटा आ गया) और आप का उपयोग मुस्लिम समुदाय के मतों को जीतने के लिए करेगा, केवल सत्ता में आने के लिए और फिर देखें कि आपका क्या हशर होगा।

मेरे लिए, मैं इस सरकार या किसी पार्टी से जुड़ा नहीं हूँ, बल्कि इस छोटे से देश, मॉरीशस के एक नागरिक के रूप में - और मैं अपने देश से प्यार करता हूँ - अल्लाह की कृपा से, दुआओं के साथ, अल्लाह ने मुझे उन लोगों के बारे में बहुत कुछ दिखाया है, जो इस सरकार का समर्थन करते हैं, जो लोग साबित कर रहे हैं और झंडों का उत्तोलन कर रहे हैं [उनकी पार्टी का] और जो केवल अपने स्वयं के परिवारों और लोगों की भलाई सहित अपने फायदे के लिए राजनेताओं के घेरे में रहते हैं। और यह मत भूलना की 2014 के चुनावों के बाद, इस सरकार द्वारा बहुत से लोगों को मूर्ख बनाया गया और उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि के माध्यम से खुद को मीठी-मीठी बातें करने दिया। आप ने पाँच साल के दुख और समस्याओं को देखा है।

हर दिन हम मीडिया के माध्यम से सुनते हैं कि कितने लोग पीड़ित हैं। यह उन्हें प्रभावित नहीं करता है जब तक वे आमोद -प्रमोद करते हैं [जनसंख्या के कष्टों की परवाह किए बिना] ! चुनावी अभियान के दौरान आपने इस वर्तमान सरकार के घोटालों की एक श्रृंखला सुनी होगी, और आप, सभी मुसलमान, अल्लाह (स व त) ने आपको भ्रष्टाचार, झूठ, अधर्म और लोगों के धन की बर्बादी सभी से लड़ने के लिए कहा है - जो शुल्क के माध्यम से योगदान कर रहे हैं और वस्तुओं कि कीमतों में वृद्धि के माध्यम से योगदान कर रहे हैं [यह चाहे भोजन, पेय, कपड़े आदि हो... इसकी सूची बहुत लंबी है]। हम सभी चीज़ों पर शुल्क देते हैं। अल्लाह पर और उसके रसूल (स अ व स) पर आपका विश्वास (ईमान) कहाँ चला गया है? आपने उन

शिक्षाओं के साथ क्या किया जो अल्लाह ने कुरान में बताई हैं? इस प्रकार की पार्टियों का समर्थन करने के लिए आप सबसे आगे हैं, और आप अल्लाह की शिक्षाओं की ओर अपनी पीठ मोड़ते है, केवल लाभ की तलाश कि ओर जो आपके फायदे का हो [भौतिक लाभ]।

यह तथ्य है कि राजनीतिक पार्टी इस्लाम विरोधी है [मुसलमानों के खिलाफ]। हे मुसलमान भाइयों और बहनों, यह आप के लिए एक सलाह है। जो मैं जानता हूँ, उसे मैं बहुत अच्छी तरह से जानता हूँ; आप जो नहीं जानते हैं, वह यह है कि न तो मैं नस्लवादी हूँ और न ही सांप्रदायिकता प्रचारक हूँ और मैं इस सरकार के खिलाफ भी नहीं हूँ [मतलब कि हुज़ूर (अ त ब अ) अल्लाह की मदद से तटस्थ दृष्टिकोण से यह सब कह रहे हैं]। जिस सभी के लिए लोग [मॉरीशस] सत्ता में अपने पांच साल तक रहे थे, यह अल्पसंख्यक वर्ग थे जिन्हे भुगतना पड़ा था। केवल कुछ लोगों ने ही उसका लाभ उठाया जो उसके गुलाम बने, अन्यथा, सभी पदोन्नति और सभी पार्टीबाजी [मस्ती] केवल उसके परिवार के निकट रहने वालों ,बॉयफ्रेंड, गर्लफ्रेंड के लिए आरक्षित हैं, और वह सबसे ज़्यादा उन लोगों की रक्षा करता है जो उनके समान ही [धार्मिक] विश्वास को शेयर करने वाले होते है, उनके सिर में यह चीज़ डालते है कि यह केवल वे है [अर्थात हिंदु] जिन्हे इस देश पर शासन करना चाहिए।

इसलिए, एक सलाह है, कि अपने शीर्ष को ऊपर रखने के लिए इस पार्टी से जल्द से जल्द बाहर निकलें, इंशा-अल्लाह। सामान्य तौर पर यह आपके लिए, आपके परिवार के लिए और इस मुस्लिम समुदाय के लिए सबसे अच्छा होगा। अल्लाह और उसके रसूल (स अ व स) ने हमें इस दुनिया के जीवन को समझाया है, इस दुनिया का आनंद, सत्ता के लिए युद्ध, ये सब कुफ्र केवल कुछ के लिए ही जन्नत है, लेकिन विश्वासियों (ईमान रखने वालों के लिए) के लिए यह पूर्ण दोज़क है। हाँ हम भुगत रहे हैं, लेकिन यह केवल अस्थायी है [एक अस्थायी स्थिति] और यह इस जीवन के बाद के लिए है की अल्लाह ने विश्वासियों के लिए सबसे अच्छा शाश्वत स्वर्ग आरक्षित किया है।

इसलिए उन्हें मज़े करने दें और जैसा वे चाहते हैं वैसा करें। हमारे लिए, हम दुआ करते हैं, लेकिन उस दिन जब अल्लाह (स व त) उन्हें जब्त कर लेगा, वे इस तरह के अपमान और दैवीय सजा प्राप्त करेंगें की जो बहुत ही कष्टदायक होगें। आप जहाँ हैं, वहीं अल्लाह और उसके रसूल (स अ व स) के साथ आपके प्रेम संबंध को स्थापित करें, अल्लाह के दीन के लिए काम करें। आप इस दुनिया में और इसके बाद भी पुरस्कार प्राप्त करेंगे ये पुरस्कार बहुत बृहतर होंगे। ज़रा इसके बारे में सोचो, अगर यह [पदावरोहि सरकार] सत्ता में वापस आती है, तो आने वाले 5 वर्षों के दौरान कितना कष्ट होगा? ये लोग अपनी जेबें भरते रहेगें। उनकी जुबान पर, अपने देश की सेवा करने के महान शब्द व्यक्त होगें, और आपके जीवन को आसान बनाने के लिए काम करेंगें, लेकिन जब कोई 5 वर्षों के बाद इसका मूल्यांकन करता है, यह बिलकुल इसके विपरीत होगा [जो पहले ही संघटित हो चूका है]।

तो, ऐसी राजनीति में, जहाँ आप अपने आप को ईश्वरीय शिक्षण पर आधारित नहीं करते हैं, जहाँ आप गलत प्रकार की राजनीति करने के लिए ईश्वरीय शिक्षा को छोड़ देते हैं, और आप उम्मत को नुकसान पहुंचाने के लिए कुफ़र की शिक्षाओं का सहारा लेते हैं, यह वास्तव में दुखद है। तो, आप सब से पहले

उम्मत का ख्याल रखें; कुछ महीने या सप्ताह के लिए अपने फायदे [लाभ] की तलाश न करें, जहाँ आप अपने आपको चुनावों के बाद में बाहर पा सकते है [आपकी राजनीतिक पार्टी के], और इसके बाद उन्होंने सत्ता तक पहूँचने के लिए आपका उपयोग किया। इसलिए, इस प्रकार के राजनीति को छोड़ दें , जिसका मस्तक ऊंचा है; अल्लाह के क्रोध को अपनी ओर आकर्षित न करें। जानें की कौन सा रास्ता लेना है! मैं जो कह रहा हूँ, उसे सुनो। जाओ और सीखो की अच्छे मुस्लिम राजनेता कैसे बने, जो इस्लाम के मूल्यों की रक्षा करेगा, और इस देश के नागरिक के रूप में और क्या महत्वपूर्ण है, आपको आत्मविश्वास और ईमानदारी के साथ अपने शीर्ष को ऊँचा रखते हुए काम करना चाहिए, पूरे देश के लिए और मॉरीशस के सभी लोगों के लिए साफ हाथों के साथ [भ्रष्टाचार रहित] , ईश्वर के सच्चे सेवक के रूप में, जो मानवता के कल्याण के लिए काम करेगा।

आपने देखा है, कि कैसे उनकी जड़ों की रक्षा करेने के लिए हिंदू सदन ने खुले तौर पर पदावरोहि प्रधान मंत्री से पूछा और उन्होंने उन्हें अपने समर्थन का आश्वासन दिया। इसे क्या कहा जाता है? क्या यह संप्रदायवाद नहीं है? और वे प्रधान मंत्री के सामने यह सब कह रहे हैं; जब अल्पसंख्यक वर्ग ने अपने अधिकारों की माँग के लिए आवाज़ उठाई हैं, उसी क्षण में वे सांप्रदायिक माने जाते है। इन मुस्लिम राजनेताओं पर लानत है जो प्रत्येक चुनाव में और एक बार चुने जाने के बाद मुस्लिम समुदाय को गुमराह करते हैं, वे एक सच्चे JUDAS जुडास (द्रोही) के रूप में कार्य करते हैं; वे लोगों को अपने सच्चे कपटी चेहरे दिखाते हैं।

जो चुनाव नजदीक आ रहे हैं, मैं मुस्लिम महिला से पूछता हूँ: आप अपने सम्मान और गरिमा का संरक्षण करें, तुच्छ न बनें। पहले, आपको ऐसे किसी भी राजनीतिक दल के महासम्मेलन में या की, अन्य बैठकों में नहीं जाना चाहिए। इस प्रकार की बैठकों में अपनी उपस्थिति दर्ज करने की अनुमति नहीं है। इसमें पाने के लिए कोई इनाम नहीं है, बल्कि यह साफ़ अवज्ञा [अल्लाह के
आदेश की] है।

मुस्लिम समुदाय की तीन बहनों की वजह से, इन सम्मेलनों में अज्ञानता के कारण उन्होंने अपनी उपस्थिति डाल दी और अज्ञानी लोगों की अन्य बैठकों में, और फिर यह पूरा समुदाय है जो अपमानित हो रहा है। राजनेता इन मुट्ठी भर मुसलमानों का उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि पूरा मुस्लिम समुदाय उनके साथ हैं। बदतर यह है, की वे जो उन राजनेताओं के साथ सेल्फी लेते हैं जो उनके महरम नहीं हैं। यह गैरकानूनी (हराम) है । उनके पास ज़रा सा भी शर्म नहीं है; और भी बुरे प्रकार से, वे अनजान मर्दों के कंधों पर हाथ भी डाल दिया करते है - तस्वीरें लेने के लिए -चाहे वो प्रधानमंत्री हों या अन्य मंत्री / प्रतिनिधि। यह हराम ही है, भले ही आपने आपका मिसर या हिजाब या जिलबाब अच्छी तरह से डाला हो। इस प्रकार के कर्म करना हराम है। और भी बुरा है, की ऐसे लोग अनजान मर्दों के साथ सेल्फी लेने के लिए अपने चेहरे को ढँक लेते हैं।

हम भाइयों को, हमारी बहनों के अज्ञानता का राजनेताओं द्वारा उनका शोषण नहीं करने देना चाहिए। हमें उनको अपने सम्मान की रक्षा करना सिखाना चाहिए। कुछ पैसों की वजह से, उन्हें अपना सम्मान नहीं

बेचना चाहिए। आपको [बहन] खुद को एक सम्मानित व्यक्ति के रूप में दिखाना चाहिए। इन महासम्मेलनों में बहनें कोई भी इस्लामिय कार्य नहीं कर रही हैं। अपने आप को सुलभ से प्रस्तुत न करें। कभी-कभी आप देखेंगें की कैसे वृद्ध लोगों का शोषण किया जाता हैं और उन्हें इन [राजनीतिक] सम्मलेन में शामिल होने के लिए सौ रुपए के नोट की रिश्वत दी जाती है। हम सभी अपने अंत के साथ चलते हैं, और यदि हम ऐसी जगह मर जाते हैं जहाँ पर अल्लाह की आज्ञा का पालन न हो, तो हम अल्लाह को क्या हिसाब देंगे?

हम अपनी बहनों से सच्ची मिन्नत (अपील) करते हैं, ताकि राजनेताओं द्वारा उनका शोषण न किया जा सके। इसे अपने मस्तक में अच्छी तरह से रखो कि कुफ़र प्रणाली कभी भी आपकी न बने। अल्लाह की प्रसन्नता को खोजने के लिए लड़ें और अपने धन और ऊर्जा को खर्च करें, अल्लाह की धरती पर (Twaghut system) अविश्वासियों या प्रमुख मूर्तिपूजा लागू न करें।

वहाँ ऐसे बहुत से राजनेता हैं जो दिन-रात डांसीण्ग (discotheques) में जाना, व्यभिचार करना, जुआ में लिप्त, अवैध मांस का सेवन, मद्यसार- सम्बन्धी पेय के सेवन के माध्यम से अल्लाह की अवज्ञा करते हैं। क्या यह सब उम्मत की सफलता और प्रगति को आगे बढ़ेएगा? हमें अपना भरोसा पूरी तरह से अल्लाह पर रखना चाहिए। हमें उम्मत में कुछ चिड़चिड़े व्यक्तियों [एक तरह के टुकड़े] को राजनीतिक स्तर पर और सामान्य तौर पर इस्लाम की छवि को खराब नहीं करने देना चाहिए, आपसे घृणास्पद बातें करने के लिए, और आपको अपने वचनों से, की मुसलमानों के लिए आराम और सुधार लाएंगें, से मूर्ख नहीं बनना चाहिए [अर्थात्, पथभ्रष्ट]। और दूसरों को हमें उनके फायदे के लिए इस्तेमाल न करने दें। उन्हें सांसारिक सुखों के साथ हमारा अपना विवेक खरीदने न दें।

अगर कुछ राजनेताओं ने कुछ [धार्मिक और गैर-धार्मिक] समुदायों को पैसों के साथ खरीदा हैं, मद्यसार सम्बन्धी पेय या अन्य चीजों के साथ, आपके लिए, इन समुदायों के आधार में आपको गिरना नहीं चाहिए। आप अपना मस्तक ऊँचा रखें। आपको उनके सामने झुकना नहीं चाहिए और केवल कुछ पैसों के लिए खुद को "तुच्छ" करार न करें। हम गतकाल में क्या पा रहे हैं, बस उनके "अधिनायक" को खुश करने के लिए, समुदाय का एक समूह [मुस्लिम] अल्लाह के प्रति अवज्ञा में पुरे समुदाय को भटका रहा है। हाँ, उनका राजनीतिक नेता, क्योंकि हम मुसलमानों के लिए, हमारे सच्चे सरदार, उम्मत के सरदार पवित्र पैगंबर मुहम्मद (स अ व स) है, और हमारे प्रत्येक कर्म में, व्यवहार और शब्दों में, सच्चे इस्लाम की स्थापना करने के लिए, यह अल्लाह और उसके रसूल (स अ व स) है जिन्हें हमें खुश करने की ज़रूरत है,। हमारा इरादा भी शुद्ध होना चाहिए।

हम इन भाइयों से कहते हैं, की अल्लाह से डरो, और इस द्वेष्पूर्ण खेल को रोकें, जिसे आप खेल रहे हैं। उन सभी को जिन्होंने इस्लाम को धर्म के रूप में स्वीकार किया है, इस संसार में जो कर्म उन्होंने किए हैं उन्हें सभी का हिसाब देना होगा, चाहे वे मंत्री हों या प्रतिनिधि क्योंकि कुरान की आयत स्पष्ट है: **"धार्मिकता और पवित्रता में सहयोग करें, किन्तु पाप और आक्रामकता में सहयोग न करें। "** (अल-मैदा 5: 3)।

आशा है, अल्लाह आपके सुबोध को शुद्ध करे और आप सभी को उम्मत से सही रास्ते के करीब [संबंधित] लाएं। आमीन।

हे अल्लाह, हमें माफ कर दो और नीच अवस्था के विपरीत उम्मते मुहम्मदिया (स अ व स) की रक्षा करो और सच्चे मुसलमानों की रक्षा करो और तुम्हारे दीन [इस्लाम] को धरती पर, हम सभी को एक शरीर के रूप में नवीकरण करने में मदद करो। आमीन।

"व मन असा-नी फ-इन्नका ग़फ़ूरुर रहीम"

आप वास्तव में (हे अल्लाह) अक्सर क्षमा करने वाले, सबसे दयालु हैं। (इब्राहिम 14: 37)